

55
487/14/225

मुंबई न्यायालय

तारीख पेशी	बनाम २०१५/०००२५ हुक्म या कार्यवाही मय हस्ताक्षर ५१७ श्री श्री	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की समील में जारी हुए
२०.५.१९	<p>यह पत्रावली अभिभाषक श्री दीपक पारीक के द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा १५१ जा.दी. पेश करने पर तलब की गई। अभिभाषक प्रार्थीगण/अपीलांत ने प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर कथन किया कि अधीनस्थ न्यायालय उपखण्ड अधिकारी, दूदू द्वारा मूल वाद संख्या ३५४/२०१३ का अंतिम निस्तारण दिनांक २७.०३.२०१९ को कर दिया है। चूंकि यह अपील २२५ राज.काश्तकारी अधिनियम के तहत पेश की गई, जो सारहीन हो चुकी है। इसलिए खारिज फरमायी जावे।</p> <p>अभिभाषक अपीलांत के द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र व सलंगन आदेश प्रति उपखण्ड अधिकारी, दिनांक २७.०३.२०१९ का अवलोकन किया गया। बाद अवलोकन अधीनस्थ न्यायालय के समक्ष वाद पत्र का अंतिम निस्तारण कर दिया गया है इसलिए प्रस्तुत अपील जो की २२५ राज.काश्तकारी अधिनियम की है जो सारहीन हो चुकी है इसलिए खारिज किया जाना उचित समझते हैं।</p> <p>अतः अपील अपीलांत सारहीन होने से खारिज की जाती है। पत्रावली फैसलशुमार होकर नम्बर से कम हो।</p>	<p>५१७</p> <p>राजस्थान अपील प्राधिकारी</p>